बंदूक की नोक पर बदमाशों ने लूटपाट और डकैती की वारदात की

तीन लोगों को गोली चला कर किया गंभीर घायल, करीब एक दर्जन थे हथियारबंद बदमाश

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के मंडावरी नगर पालिका क्षेत्र में बीती रात अज्ञात बदमाशों द्वारा बंदूक की नोक पर घरों में रखे कीमती गहने एवं नगदी आदि लूटपाट कर डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया।

बदमाशों ने रात्रि डेढ बजे से लेकर सुबह ढाई बजे तक जमकर धमाचौकड़ी मचाई। करीब एक दर्जन बताए जा रहे इन बदमाशों द्वारा घटना को अंजाम देने के बाद लोगों द्वारा विरोध करने एवं इनको पकड़ने के प्रयास करने पर बदमाशों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। बदमाशों द्वारा इस फायरिंग की घटना को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा के निजी आवास के पास भोरी की जा के करीब अंजाम दिया गया। बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में रामकेश मीणा, महिलाल मीणा, ताराचंद मीणा सहित तीन लोगों को गोली लगी है एवं उनका जयपुर एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बदमाशों द्वारा सभी वारदातों को वार्ड नंबर 5 में अंजाम दिया गया। पहली वारदात सीआरपीएफ में निरीक्षक पद पर पदस्थ बृजेश कुमार भेडोल्या के कमरे में हुई जहां उसके परिवार जनों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर लूटपाट की गई। दूसरी वारदात में बदमाश कमल कांत सोनी के यहां बाहर एक गेट को तोड़कर घर में दाखिल हुए एवं वहां रखे चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। तीसरी वारदात को मंडावरी में राजकीय स्कूल की अध्यापिका इंदिरा लखेरा के मकान में अंजाम दिया गया उस समय लखेरा दंपत्ति अपने परिवार के साथ घर से बाहर कहीं गए हुए थे।

इस वारदात की जानकारी मिलने पर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ लालचंद कायल द्वारा घटनास्थल का जायजा लिया गया व पीड़ितों से मुलाकात कर घटना से जुड़ी जानकारी ली गई।

वारदात के बाद चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक से दूरभाष पर बात कर मंडावरी में 10 पुलिसकर्मियों का जाब्ता स्थाई रूप से तैनात करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका प्रशासन को कस्बे में सभी जगह तुरंत सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस द्वारा घटनास्थल की एफएसएल जांच कर फुट प्रिंट उठाए गए। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को खाली एवं भरे कारतूस भी फायरिंग की गई जगह से मिले हैं। इस घटना के विरोध में मंडावरी कस्बे के बाजार विरोध स्वरूप बंद रखे गए एवं पूर्व वित्त राज्य मंत्री वीरेंद्र मीणा एवं प्रमुख महिला समाजसेवी राजेश्वरी देवी मीणा की अगुवाई में हाईवे पर जाम लगा कर घटना के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

पुलिस की टीमें इस वारदात से जुड़े तथ्यो को खंगालने में लगी हुई हैं। घटनाक्रम को लेकर महिला समाजसेवी राजेश्वरी मीणा एवं सरपंच हरिओम मीणा ने शराब के अवैध ठेकों पर होने वाले असामाजिक तत्वों के जमावड़े को घटना के लिए जिम्मेदार बताया।

चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा व्यापारियों से समझाइश की गई एवं वारदात को जल्दी खोलने का आश्वासन देते हुए बाजार को खोलने का आग्रह किया गया लेकिन देर शाम तक बाजार नहीं खुले। घटना के विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाजपा नेता वीरेंद्र मीणा द्वारा जाम स्थल पर बैठने को लेकर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि उनकी कांग्रेस सरकार द्वारा मंडावरी में थाना खोला गया था जिसे भाजपा सरकार द्वारा मंडावरी से करीब 10 किलोमीटर दूर ले जाकर वहां भवन बना दिया गया। अगर पुलिस थाना कस्बे में ही होता तो यह डकैती की वारदात को बदमाश कभी अंजाम नहीं दे पाते।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ लालचंद कायल पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल लालसोट थानाधिकारी नाथूलाल मीणा रामगढ़ पचवारा थानाधिकारी अजय सिंह, मंडावरी थानाधिकारी रामपाल मीणा झापदा थानाधिकारी रिछपाल सिंह सहित दिनभर भारी संख्या में सुरक्षा जागता एवं एफएसएल व बीटीएस की टीमें मौजूद रही।

मंडावरी कस्बे में लूटपाट व डकैती की वारदात के बाद घटनास्थल पर जायजा लेते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा।

स्टूडेंट्स के रिकार्ड में कमी हुई तो फिर नहीं मिलेगी स्कूल्स को फीस

फ्री पढ़ाना होगा आठ साल

बीकानेर, (कासं.)। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत प्राइवेट स्कूल्स में पढ़ रहे गरीब बच्चों की फीस और पढ़ाई को लेकर शिक्षा विभाग अपनी व्यवस्था में परिवर्तन नहीं कर रहा। ऐसे में न सिर्फ स्कूल्स को भुगतान लेने में परेशानी हो रही है बल्कि छोटी-छोटी कमियों के चलते प्राइवेट स्कूल्स एडमिशन भी नहीं दे रहे। कारण साफ है कि हर छोटी कमी के लिए स्कूल का भुगतान रोक दिया जाता है, ऐसे में स्कूल ऐसे स्टूडेंट्स को एडमिशन लिस्ट से पहले ही बाहर कर देता है, जिनके रिकार्ड में कमी हो।

आमतौर पर छोटे बच्चों का आधार कार्ड बनाते वक्त परिजन नाम पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। रिकॉर्ड कम्पलीट नहीं करने पर अगर एडमिशन होता है तो फिजिकल वेरिफिकेशन के दौरान पेमेंट लिस्ट से उसका नाम हटा दिया जाता है। ऐसे में बच्चा स्कूल में तो पढ़ेगा लेकिन उसकी फीस नहीं दी जाएगी। अब आधार कार्ड में संशोधन हो सकता है, ये गरीब व अनपढ़ अभिभावक को पता नहीं होता। जिसका खामियाजा प्राइवेट स्कूल भुगतते हैं। न सिर्फ बच्चे के नाम बल्कि माता-पिता के नाम में कमी भी पेमेंट रोकने का आधार होता है।

वर्तमान में राज्य में ऐसे सैकड़ों प्राइवेट स्कूल्स है, जहां स्टूडेंट्स पढ़ तो रहे हैं लेकिन सरकार उनकी फीस नहीं दे रही। ऐसे में सरकार तो भारी भरकम भुगतान बचा रही है लेकिन प्राइवेट स्कूल नुकसान उठा रहे हैं। आधार कार्ड सहित अन्य कागजात में छोटी-छोटी कमियों के चलते भुगतान रोकने का नुकसान अब गार्जन को हो रहा है। स्कूल हर छोटी कमी के लिए एडमिशन रोक देते हैं। मेरिट में नंबर होने के बाद भी उस स्टूडेंट का नाम हटा दिया जाता है। खास बात ये है कि स्टूडेंट्स को अपने रिकार्ड में सुधार के लिए समय भी नहीं दिया जाता।

इस बार शिक्षा विभाग पांच नवम्बर के बाद प्राइवेट स्कूल्स के रिकार्ड का वेरिफिकेशन करेगा। इस बार भी नियमों में कोई फेरबदल नहीं किया गया है। विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि किसी भी स्टूडेंट के रिकार्ड में कमी हो तो उसका भुगतान नहीं किया जाएगा। अलबत्ता स्टूडेंट को पढ़ाना होगा। इस बार भी स्टूडेंट्स को रिकार्ड में संशोधन करवाने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है अगर किसी के आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य कागजात में किसी तरह की कमी है तो सरकारी व्यवस्था के तहत उसमें संशोधन हो सकता है। माता-पिता के पुराने रिकार्ड में भी संशोधन हो सकता है लेकिन शिक्षा विभाग ये संशोधन करवाने के लिए समय नहीं दे रहा। जिससे एडमिशन का हक रखने वाले गरीब स्टूडेंट अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में नहीं पढ़ा पा रहे।

- रिकार्ड में कमी वाले स्टूडेंट्स को स्कूल प्रशासन पहले ही एडमिशन लिस्ट से बाहर कर देता है
- छोटी-छोटी कमियों के चलते भुगतान रोकने का नुकसान अब अभिभावकों को हो रहा है
- स्टूडेंट्स को अपने रिकार्ड में सुधार के लिए समय भी नहीं दिया जाता

भुसावर क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर हो रहा है अवैध खनन

क्रशर संचालक नहीं कर रहे नियमों की पालना

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के भुसावर उपखंड इलाके में प्रशासन व खनिज विभाग की निष्क्रियता के चलते जमकर अवैध खनन हो रहा है। जिसमें स्थानीय क्रशर संचालक और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है।

प्रशासनिक अधिकारियों की सह पर भुसावर के नया गांव खालसा में पर्वत मालाओं में निरंतर खनन का कार्य किया जा रहा है। जिससे राज्य सरकार को रोजाना करोड़ों रुपए की राजस्व की हानि हो रही है। जबकि इन क्रशर पर राज्य और केंद्र सरकार की ओर से बनाए नियमों का मापदंडों की पालना क्रशर संचालकों की ओर से नहीं की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के कारण भुसावर उपखंड में करीब 23 क्रशर का संचालन बिना कन्वर्जन के पिछले बीस वर्ष से हो रहा है। क्रशर मालिकों ने कई साल गुजर जाने के बाद भी अभी तक क्रशर जिस जगह में चल रही है उस जगह का राजस्व अभिलेख विभाग में आज तक कन्वर्जन नहीं कराया है।

स्थानीय प्रशासन बिना कन्वर्जन के चल रहे क्रशर संचालकों के खिलाफ कार्यवाही करने से बच रहा है। यहां तक प्रशासन की ओर से अवैध रूप से क्रशर का संचालन करने वालो को नोटिस तक जारी नहीं किए गए हैं।

कारवान निवासी लोगों ने बताया कि गांव की नयागांव की पहाड़ी में अवैध खनन करके पत्थर निकाला जा रहा है। इलाके में अवैध रूप से हो रहे खनन कार्य पर प्रशासन बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा है। पहाड़ों में अवैध रूप से एलएनटी लगाकर अवैध खनन किया जा रहा है और पत्थरों को निकाल के राजस्थान से बाहर भेजा जा रहा है। नयागांव निवासी लोगों ने बताया कि जिस जगह से पत्थर को अवैध तरीके से निकाला जा रहा है वहां कोई लीज भी नहीं है। कुछ लोगों द्वारा एलएनटी व बड़ी मशीन लगाकर पत्थर को अवैध तरीके से विस्फोट करके निकाला जा रहा है। विस्फोट से टूटे पत्थर से किसानों की फसल को भी नुकसान हो रहा है।

कारवान के नया गांव में हो रहा अवैध खनन।

सीएम की पुष्कर यात्रा को लेकर कलेक्टर व एसपी ने किया दौरा

पुष्कर, (निसं.)। पुष्कर पुष्कर मेले का भी उद्घाटन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है और पुष्कर सरोवर की महाआरती की जाएगी महाआरती में भी मुख्यमंत्री शामिल रहेंगे। एक नवंबर को पवित्र पुष्कर सरोवर के किनारे सवा लाख दीपक लगाए जाएंगे इसको लेकर आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ लगे हुए हैं।

जिला कलेक्टर अंशदीप व जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम सहित आला अधिकारी परिक्रमा मार्ग एवं ब्रह्म घाट पुष्कर मेला मैदान चुंगी नाका एंट्री प्लाजा सहित कई जगह का दौरा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए सीएम की यात्रा को लेकर पूरे नगर में पुष्कर की लीपापोती कर सड़के बनाई जा रही है। सड़कों के दोनों और मिट्टी मिट्टी पड़ी हुई है जो दो-तीन दिन में नई नवेली सड़कों पर आ जाएगी और जनता के लाखों रुपए बर्बाद हो जाएंगे इस बार पशु मेला नहीं होने के कारण मेले में हर बार होने वाली रंगत नजर नहीं आ रही है।

- एक नवंबर को पुष्कर आएंगे सीएम गहलोत
- पुष्कर सरोवर के किनारे सवा लाख दीपक लगाए जाएंगे

ट्रक लूट के आरोपी दो साल बाद गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के फलोदी में शराब लूट प्रकरण के करीब दो साल पुराने मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने आरोपियों को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा। आईओ अमृतलाल सब इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपियों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने लूट प्रकरण में तीन आरोपी आमला निवासी भोमसिंह राजपूत, मूलाराम मेघवाल व प्रकाश चंद मेघवाल को गिरफ्तार किया है। थाना गोविंदगढ जिला जयपुर के गांव सिगोद निवासी हरेंद्रसिंह ने 6 दिसंबर 2020 को फलोदी पुलिस थाना में शराब लूट का मुकदमा दर्ज करवाया था। एसपी ग्रामीण जोधपुर अनिल कयाल ने वारदात का पर्दाफ़ाश करने में मुख्य भूमिका अदा करने वाले थानाधिकारी राकेश ख्यालिया, सब इंस्पेक्टर अमृतलाल सहित कई पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की घोषणा की।

ससुर व बहू ने जहरीला पदार्थ खाया

धौलपुर, (निसं)। मनिया थाना क्षेत्र के गांव मांगरोल में रविवार को ससुर एवं उसके पुत्र की पत्नी ने पारिवारिक कलह के कारण जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर परिजनों ने जिला अस्पताल भर्ती कराया। लेकिन ससुर को चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। वही बहू की नाजुक हालत होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर जयपुर हायर सेंटर पर रैफर किया है।

जानकारी के मुताबिक मनिया थाना क्षेत्र के गांव मांगरोल में रविवार को 55 वर्षीय पॉप सिंह पुत्र राधेश्याम एवं उसके पुत्र की पत्नी 25 वर्षीय माया पत्नी वीरू ने पारिवारिक कलह के कारण जहर का सेवन कर लिया। ससुर और बहू की तबीयत ज्यादा बिगडने पर परिजनों में खलबली मच गई। आनन-फानन में परिजनों ने ससुर एवं बहू को जिला अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में हाहाकार मच गया।

उधर बहू की भी नाजुक हालत होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर जयपुर हायर सेंटर रैफर किया है। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर मनोज गुप्ता ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिला अस्पताल पहुंची पुलिस ने ससुर के शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

- पारिवारिक कलह की वजह से हुई घटना
- ससुर की मौत, बहू जयपुर रैफर

जिंदा नवजात को फेंकने वाली मां गिरफ्तार

मामले में एक एएनएम की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है

धोरीमन्ना, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र में नौ माह तक गर्भ में रखने के बाद मां ने नवजात को मरने के लिए सड़क पर फेंक दिया। पुलिस ने मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना का दस दिन में खुलासा करते हुए नवजात की नाबालिग मां को संरक्षण में लिया और साथ ही नाबालिग की मां को गिरफ्तार किया है।

घटना बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना मेघवालों की बस्ती स्कूल की है। जिले में पहली बार नवजात के फेंकनें के बाद पुलिस ने खुलासा किया है। बच्ची का इलाज डिस्ट्रिक्ट हॉस्पीटल में चल रहा है। एक एएनएम की भूमिका संदिग्ध है। वहीं ड्राइवर से पूछताछ में पूरे मामले का खुलासा हुआ है। 20 अक्टूबर को धोरीमन्ना इलाके के अरणियाली गांव से आगे मेघवालों की बस्ती स्कूल के पास सड़क किनारे पर बच्ची को फेंका गया था। बच्ची का जन्म पांच घंटे पहले ही हुआ था। जहां उसे फेंका गया था, वहां आस-पास मिटटी और कटीली झाड़ियां थीं। सुबह जब बच्ची के रोने की आवाज आई तो आस-पास काम कर रहे किसान दौड़कर मौके पर पहुंचे। बच्ची सड़क किनारे मिटटी में सनी हुई थी। पुलिस टीम ने बच्ची को धोरीमन्ना हॉस्पिटल में एडमिट कराया, जहां से बाद में उसे बाड़मेर के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया।

धोरीमन्ना थानाधिकारी सुखराम विश्नोई के मुताबिक नवजात बच्ची के मिलने के बाद थाने में मुकदमा दर्ज जांच शुरू की गई। जांच में उसी उसी गांव की नाबालिग बच्ची ने नवजात बच्ची को जन्म दिया था। इसमें नाबालिग मां और उसकी मां भी शामिल थी। इस पर पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लिया है। वहीं मां महिला को गिरफ्तार कर लिया है। गर्भवती बनाने वाले आरोपी की तलाश की जा रही है। फिलहाल जांच चल रही है। पुलिस ने गाड़ी में ले जाने वाले ड्राइवर भागीरथ को सरकारी गवाह बनाया है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि नाबालिग बच्ची बचपन में शादी हो रखी थी लेकिन मुकलावा नहीं होने की वजह से अपने पीहर में थी। नौ माह से गर्भ में थी। नवजात की मां के पेट में दर्द होने पर गाड़ी किराए पर लेकर सांचौर के लिए रवाना हुए थे। लेकिन मेघवालों की बस्ती स्कूल के पास किसी बहाने से मां व गर्भवती नाबालिग दोनों नीचे उतरे और वहीं पर डिलीवरी हो जाने पर नवजात बच्ची को सड़क किनारे फेंककर गाड़ी बैठ गए। ड्राइवर को पता हीं नहीं चलने दिया। सांचौर पहुंचने पर दो हजार रुपए किराया देकर गाड़ी को रवाना कर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नवजात बच्ची की डिलीवारी करवाने में एक स्थानीय एएनएम की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। यह बताया जा रहा है कि एएनएम ने पेट दर्द होने पर दवाई दी थी। वहीं ड्राइवर के पूछताछ में ही जिंदा नवजात फेंकने का खुलासा हुआ है।

- ड्राइवर से पूछताछ में पूरे मामले का खुलासा हुआ
- गर्भवती बनाने वाले आरोपी की तलाश की जा रही है

सड़क हादसे में दो दोस्तों की दर्दनाक मौत

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर-राजाखेड़ा मार्ग पर गत शाम दिघी गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिसमें 2 दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई एवं 1 गम्भीर घायल हो गया। जिसको जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार आगरा जिले के शमशाबाद थाना क्षेत्र के रहने के वाले बाइक सवार 3 दोस्त माता रेहना वाली के दर्शन कर वापिस घर की ओर लौट रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें तीनों ही दोस्त गम्भीर घायल हो गए।

सूचना पर मौके पर पहुंची राजाखेड़ा थाना पुलिस द्वारा घायलों को शहीद राघवेंद्र सिंह समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहाँ गम्भीर घायल होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रैफर कर दिया गया। जिनमें जीतेन्द्र पुत्र प्रेम सिंह 17 वर्ष की वहीं मौत हो गई। विवेक पुत्र डैनी 21 वर्ष और अजय पुत्र भुल्लन उम्र 18 वर्ष को घायल अवस्था में जिला अस्पताल धौलपुर रैफर कर दिया। जहां विवेक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। और अजय को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी जिसमें 2 की दर्दनाक मौत हो गई।

चिकित्सकों और दो नर्सिंग कर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के सबसे बडे महात्मा गांधी अस्पताल में हुए हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत के मामले में परिजनों ने चिकित्सकों और दो नर्सिंग कर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुसार गुलाबपुरा क्षेत्र के घन्टालिया का खेडा निवासी विष्णु खटीक ने महात्मा गांधी अस्पताल के चिकित्सक डॉ शालीन, डॉ रवि नाथ और डॉक्टर कुलदीप सिंह के साथ ही नर्सिंग कर्मी सलीम और सुनील पोरवाल के खिलाफ उपचार में लापरवाही बरतने को लेकर मामला दर्ज कराया है। उसके पुत्र की एनआईसीयू वार्ड में वार्मिंग मशीन में ओवर हिटिंग के कारण झुलस जाने से मौत हो गई थी, जिसके लिए अस्पताल के डॉक्टरों, कर्मचारियों की लापरवाही को जिम्मेदार मानते हुए मामला दर्ज करवाया हैं।

पीएमओ डॉ अरुण गौड ने बताया की इस मामले की 4 सदस्य टीम से जांच करवाई गई है। कुछ कर्मचारी और चिकित्सक दोषी पाए गए हैं जिन्हें नोटिस दिया गया था, जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद मृतक बच्चे के पिता ने भीमगंज थाने में इनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करवाया है। वहीं इस मामले में जान गवाने वाले दोनों बच्चों के परिजनों को 10 -10 लाख का मुआवजा नहीं मिलने पर 31 अक्टूबर को भीलवाड़ा बंद कराने की भी चेतावनी दी गई थी। खटीक समाज राष्ट्रीय एकता मंच के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज डीडवानिया ने बताया कि प्रशासन से हुई बातचीत के बाद 31 अक्टूबर को भीलवाडा बंद का फैसला वापस ले लिया गया है।

- एमजीएच के एनआईसीयू वार्ड में वार्मिंग मशीन में झुलस जाने से मौत का मामला
- रिपोर्ट आने के बाद मृतक बच्चे के पिता ने भीमगंज थाने में मामला दर्ज करवाया

नाबालिग बालिका के साथ छेड़छाड, मामला दर्ज

अजमेर, (कास)। अस्थाई महिला सफाई कर्मचारी की बेटी को जबरन घर की सफाई के लिए साथ ले जाने की कोशिश और अश्लील हरकतें करने का मामला सामने आया है। पीड़ित मां ने नाबालिग बेटी की आपत्तिजनक फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाते हुए क्रिश्चियन गंज थाने में शिकायत दी है।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला सफाई कर्मचारी ने थाने पर उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवाई की क्षेत्र में रहने वाले देवेंद्र सक्सेना नाम का व्यक्ति उसकी बेटी के पास पहुंचा और उसे जबरन हाथ पकड़ कर घर ले जाने के साथ उससे अश्लील हरकतें करने लग गया। जब वह वहां पहुंची तो देवेंद्र से अपनी बेटी को छुड़वाया तो उसके साथ भी अभद्र भाषा का उपयोग भी किया।

पीड़ित महिला ने बताया कि जब वह चिल्लाई तो उसके बाद देवेंद्र अपने घर भाग गया और जाकर छुप गया। पीड़ित महिला का आरोप है कि देवेंद्र उसकी बेटी की आपत्तिजनक फोटो खींचता है और उसे सोशल मीडिया पर भी वायरल किया है।

कोटपूतली में एटीएम से 15 लाख रूपये लूटे

बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को दो बदमाशों ने गैस कटर से काटकर वारदात को अंजाम दिया

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली में रात 3 बजे जयपुर -दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस लाइन पर संजीवनी अस्पताल के निकट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को दो गाड़ियों में सवार अज्ञात बदमाशों ने गैस कटर से काटकर लाखों रुपए की लूट की वारदात को अंजाम दिया। एटीएम में 15 लाख रुपए का कैश था। कल शाम को एटीएम में 5 लाख रुपए की राशि लोड की गई थी।

- सीसीटीवी कैमरे में तीन बदमाश दिखाई दे रहे हैं

जयपुर-दिल्ली एनएच पर बीओआई एटीएम की लूट के बाद अधिकारियों ने जायजा लिया।

11 लाख रुपए की राशि एटीएम में पहले से थी। लूट की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें 3 बदमाश दिखाई दे रहे हैं। बाकी लोग कारों में बैठे थे।

बैंककर्मी ने बताया कि बदमाशों द्वारा जब एटीएम लूट की वारदात को अंजाम दिया जा रहा था। सायरन बजने पर इसकी सूचना पुलिस को दी थी। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। एटीएम मशीन क्षतिग्रस्त हालत में मिली और नगदी गायब थी।

घटना की सूचना मिलते ही कोटपूतली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां मौका मुआयना कर विभिन्न स्थानों पर रात्रि को नाकाबंदी करवाई गई। लूट की सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। नाकाबंदी करवाने के बावजूद अपराधी वारदात को अंजाम देकर आसानी से निकल गए।